History

Class-01

Greek Word / यूनानी शब्द → Historia / हिस्टोरिया

↓ Person

Herodotus / हेरोडोटस → Book → Historical / हिस्टोरिका

↓

father of History / इतिहास का पिता

Source / स्त्रोत :-

① Archaelogical Source / पुरातात्विक स्त्रोत

(Inscriptions / अभिलेख, Coins / सिक्के, statues / मूर्तियाँ, monuments / स्मारक, Seels / मुहरें)

② Literalley Sources / साहित्यिक स्त्रोत

(i) Religious, (ii) Non-Relegious / गैर-धार्मिक

(iii) Description of foreigner Travellers / विदेशी यात्रियों का विवरण

Indian History
(भारतीय इतिहास)

- **Ancient India** / प्राचीन भारत
  - Pre-historic Period / प्रागैतिहासिक काल
    - Stone Age / पाषाण युग
      - Paleolithic Period / पुरापाषाण काल (20 lakh B.C – 8000 BC)
      - Mesolithic Period / मध्यपाषाण काल (8000 – 4000 B.C)
      - Neolithic Period / नवपाषाण काल (4000 – 2500 B.C)
    - Copper Age / ताम्र युग (3000 – 2000 B.C)
  - Proto-historic Period / आद्य-ऐतिहासिक काल
    - हड़प्पा → (2500 – 1750 B.C)
    - वैदिक → (1500 – 600 B.C)
  - Historic Period / ऐतिहासिक काल (600 B.C – 712)
- **Medieval India** / मध्यकालीन भारत (712 – 1707)
- **Modern India** / आधुनिक भारत (1707 – 1947)
  - (1885 – 1947) → Indian National Movement

- 2024 → Gragorian Calender → (christians)

0 —— 100 —— 500 —— 1000 —— 2024

0 → Birth of christ

- B.C → Before christ ईसा पूर्व

1000 B.C —— 500 B.C —— 100 B.C —— 0 A.D —— 100 —— 200 —— 1000 —— 2024

0 A.D → Birth of christ

- A.D → Anno Domini (Latin)

C. E → Common Era / ईस्वी

Buddha → 563 B.C — 483 B.C

Mahavir → 540 BC — 468 B.C

औरंगजेब → 1618 - 1707

शिवाजी → 1627 - 1680

अकबर → 1542 - 1605

History

Class-02

Ancient India / प्राचीन भारत :

- Rise of Magadha / मगध का उत्कर्ष

Pre - Mauryan Period / पूर्व मौर्यकाल

Haryanka Dynesty हर्यक वंश (पितृहन्ता वंश) (544 B.C — 412 B.C)

founder → Bimbisara / बिम्बिसार (544 B.C - 492 B.C) Capital

→ बिम्बिसार गौतम बुद्ध का समकालीन था। इसने अंग और काशी को मगध में मिलाया था। बिम्बिसार का ही एक राजवैद्य था जिसका नाम जीवक था। बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य जीवक को अवन्ति के राजा chandapradeyot के इलाज करने के लिए भेजा था इन्हें पीलिया हुआ था।

राजवैद्य - जीवक —अवन्ति→ chandapradeyot (Joundice)

→ बिम्बिसार की हत्या कर उसका पुत्र अजातशत्रु शासक बना और लगभग (492 B.C — 460 B.C) तक शासन किया। अजातशत्रु के काल में दो महत्वपूर्ण कार्य हुए —

→ गौतम बुद्ध और महावीर स्वामी दोनों की ही मृत्यु इसी के शासन काल में हुई थी।

→ 483 B.C में प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन करवाया था। इसने वैशाली को मगध में मिलाया। 10 अजातशत्रु की मृत्यु भी उसके पुत्र उदायिन के द्वारा किया गया।

उदायिन (460 B.C - 440 B.C)

इन्होंने गंगा और सोन नदी के संगम पर शहर की स्थापना की जो कहलाया कुसुमपुरा या पाटलिपुत्र। उदायिन के द्वारा पाटलिपुत्र की स्थापना करने के बाद इसने अपनी राजधानी को राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित किया। उदायिन के बाद तीन और शासक हुए - अनिरुद्ध, मुण्डक, नागदशक।

Last Ruler → Naag Dashaka

- Shishunag Dynesty / शिशुनाग वंश (412 B.C - 344 B.C)

  founder - शिशुनाग (412 B.C - 394 B.C)

→ इसने अवन्ति पर आक्रमण करके chandabradeyot वंश का अन्त किया और अवन्ति को जीतकर उसे मगध में मिला लिया।

→ इसने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र से वैशाली स्थानान्तरित कर लिया इसका उत्तराधिकारी इसका पुत्र कालाशोक हुआ और लगभग 394 ई० पू० - 366 ई० पू० तक शासक रहा जिसे काकवर्ण भी कहा जाता है।

→ 383 ई० पू० में इसके द्वारा IInd Buddhist Council करवाया गया और इसने दोबारा अपनी राजधानी वैशाली से पाटलिपुत्र स्थानान्तरित किया।

→ अपनी राजधानी के समीप एक अंजान व्यक्ति के द्वारा चाकू घोंप कर कालशोक की हत्या कर दी गई।

Last Ruler → Nandi Vardhan/ नंदी वर्धन

- Nanda Dynesty / नंद वंश (345 B.C – 323 B.C)

founder – महापद्मनंद

नन्द वंश का संस्थापक महापद्मनंद था। इनके बारे में जानकारी मिलती है इसने कलिंग पर आक्रमण करके प्राप्त किया था इसने कलिंग में नहर खुदवाई थी।

इस बात का उल्लेख हाथी गुफा अभिलेख से मिलता है जिसको खारवेल नामक शासक के द्वारा लिखवाया गया था। इनके 8 पुत्र थे & सब एक-एक करके शासक बने और इनका आखिरी पुत्र अन्तिम शासक बना जिनका नाम घनानंद था

326 B.C → सिकंदर का आक्रमण

चन्द्रगुप्त मौर्य ने चाणक्य के साथ मिलकर घनानन्द की हत्या की। इसने एक नये साम्राज्य की स्थापना की जिसे हम मौर्य साम्राज्य के नाम से जानते हैं।

- Foreign Invasions / विदेशी आक्रमण –

① Persian Invasion / ईरानी आक्रमण

Hakhamani Dynesty / हखामनी वंश

Ruler → साइरस

डेरियस प्रथम → दारा प्रथम भारत पर आक्रमण करने वाला पहला शासक है।

Source – Behistuna Inscription
बेहिस्तून अभिलेख

② Greek Invasion / यूनानी आक्रमण

Greece —Place→ Macedonia

Ruler → Philip —Son→ Alexander
सिकंदर

326 B.C → Battle of Hydaspese / Vitasta
हाइडैस्पीज / वितस्ता का युद्ध

323 B.C → He died in babylone

- Mauryan Empire / मौर्य साम्राज्य —

इसकी स्थापना चन्द्रगुप्त मौर्य के द्वारा की गयी थी।

साहित्यिक स्त्रोत :-

अर्थशास्त्र — चाणक्य या विष्णुगुप्तया कौटिल्य

इंडिका — मेगस्थनीज

महाभाष्य — पतंजलि

मुद्राराक्षस — विशाख दत्त

कल्पसूत्र — भद्रबाहु

पुरातात्विक स्त्रोत :-

- अशोक के अभिलेख।

History

Class-03

- Mauryan Empire (323 B.C - 185 B.C)

founder — चन्द्रगुप्त मौर्य (323 B.C - 298 B.C)

William Johns - Sandrocottis (सैन्ड्रोकोट्स)

चन्द्रगुप्त मौर्य ने चाणक्य की मदद से घनानन्द की हत्या की 25 वर्ष में मगध का शासक बना।

Plutark & Justin ऐसा लिखते है चन्द्रगुप्त मौर्य के पास 6,40,000 सैनिक थे।

चन्द्रगुप्त मौर्य — I chakravartin सम्राट of India

→ इसने अपने शासनकाल में गिरनार पर्वत पर सुदर्शन झील का निर्माण कराया।
रुद्रदामन ने सुदर्शन झील की मरम्मत करवायी और एक अभिलेख (जूनागढ अभिलेख) में उल्लेख भी करवाया।

भारत में संस्कृत भाषा का पहला लम्बा अभिलेख

II - स्कन्दगुप्त (झील मरम्मत)
↓
गुप्त वंश

305 B.C → Invasion of सेल्यूकस निकेटर

300 B.C → I Jain Council in Pattliputra

298 BC में चन्द्रगुप्त मौर्य की मृत्यु Sallakhana / संथारा के द्वारा हुआ।
↓
मौन व्रत

- **Bindusara / बिंदुसार (298 B.C – 272 B.C) —**

other Names → Amitrochettes, Singhasena/सिंहसेन

16 wifes
↓
Dharma / Subhadrangi
↓ Son
(Ashoka / अशोक)

101 Sons

Susim सुसीम —Governor→ तक्षशिला
↓
Ashoka अशोक —Governor→ उज्जैन
↓
Tissa तिस्स

① Dymakus डायमैकस (सीरिया)

Ruler → एन्टीयोकस प्रथम

(i) मीठी मादिरा
(ii) सूखी अंजीर
(iii) एक दार्शनिक

② Dyonesus डायोनिसस (Egypt मिस्र)

शासक → फिलाडैलफस टॉलमी द्वितीय

- **Ashoka / अशोक (269 B.C – 232 B.C) :—**

अशोक → Maski Inscription, Gurjara Inscription

→ अशोक ने राधागुप्त की मदद से 99 भाइयों की हत्या करवायी और उसके बाद मगध का अगला शासक बना।

Married With – महादेवी (Ujjain)

Son – महेन्द्र
Daughter – संघमित्रा

→ अशोक ने महेन्द्र और संघामित्ता को श्रीलंका भेजा था बौद्ध धर्म का प्रचार करने के लिए।

Other wife – (i) तिष्यरक्षिता

(ii) कारुवाकी (कलिंग की राजकुमारी) – इलाहाबाद अभिलेख

(iii) असन्धिमित्ता (पटरानी)

अशोक के द्वारा 261 B.C → कलिंग युद्ध लड़ा गया।

Capital – पाटलिपुत्र

Ruler → नंदराज

Source – हाथी गुफा अभिलेख

Ruler

खारवेल

(चेदि वंश)

→ कलिंग युद्ध के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म अपनाया। इसने बौद्ध धर्म की शिक्षाएँ उपगुप्त से प्राप्त की।

→ अपने शासन काल के 10 वें वर्ष बोधगया की यात्रा की और 20 वें वर्ष इसने लुम्बिनी की यात्रा की। इसने लुम्बिनी को कर मुक्त किया जिसका उल्लेख रुमनदेई अभिलेख में किया गया है।

→ अशोक ने अपने शासन काल में तीसरी बौद्ध महासंगीति का आयोजन करवाया था। इसने पशुबलि पर रोक लगाया और राष्ट्रीय उद्यान बनवाया।

→ अशोक ने श्रीनगर शहर की स्थापना की & सांची स्तूप (मध्य प्रदेश), धर्मक स्तूप का निर्माण करवाया।

→ इसने बराबर की गुफाएँ आजीविको को दी और शायद अशोक आजीवक सम्प्रदाय को मानना शुरु कर दिया था।

और सिर्फ इतना ही नही।

→ 232 B.C में अशोक की मृत्यु हुई और इसकी मृत्यु के बाद इसका पुत्र कुणाल हुआ।

→ मौर्य वंश का अन्तिम शासक बृहद्रथ था और इसकी हत्या इसी के सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने की।

History

Class-04

Mauryan Empire

Inscriptions of Ashoka

Oldest in India Brahmi Script & Khassthi Script

1837 - James Princep

अशोक के तीन Category में divide

- Rock Edicts
  - Major दीर्घ
  - Minor लघु
- Pillar Edicts
  - Major दीर्घ
  - Minor लघु
- Cave Inscriptions

Major Rock Edicts / दीर्घ शिला लेख

Total No. — 14

Rock Edict - 1 →

→ सम्पूर्ण जनता मेरी सन्तान के समान है।
→ पशुबलि पर रोक।
→ वन्य जीव संरक्षण को लागू।

Rock Edict - 2

→ सामाजिक कल्याणकारी कार्यक्रम।
→ मानव और पशु दोनो के लिए चिकित्सा सुविधाएँ।

Rock Edict - 3

→ ब्राह्मणों एवं श्रमिको के लिए सम्मान।

Rock Edict - 4

→ अशोक की धम्म नीतियाँ।

Rock Edict - 5

→ इसके शासनकाल के 14th वर्ष धम्म की नियुक्तियाँ जो कि जगह - जगह जाकर अशोक की धम्म नीतियों का प्रचार करते थे।

Rock Edict - 6

→ जनता के लिए कल्याणकारी कार्यक्रम।

Rock Edict - 7

(अशोक का सबसे लम्बा शिलालेख)

→ मस्तिष्क एवं आत्मा पर नियंत्रण

Rock Edict - 8

→ अशोक की धम्म यात्राओं का वर्णन।

Rock Edict - 9

→ जन्म एवं विवाह के दौरान समारोहों पर प्रतिबन्ध।

Rock Edict - 10

→ धर्म नीतियों की श्रेष्ठता पर बल।

Rock Edict - 11

→ अशोक के धर्म विजयों का वर्णन।

Rock Edict - 12

→ धर्म का निरादर करने पर प्रतिबन्ध।

9th Rock Edict -13

→ कलिंग युद्ध का वर्णन ।

Rock Edict -14

धार्मिक जीवन को जीने की प्रेरणा ।

Minor Rock Edicts/ लघु शिला लेख

① रूपनाथ — जबलपुर (मध्य प्रदेश)
② Gurjara — दतिया (मध्य प्रदेश)
③ Sahsaram — Sasaram (बिहार)
④ Bhrebu (Vairat) — राजस्थान (जयपुर)
⑤ मास्की — Raichur (कर्नाटक)
⑥ Brahmagiri — चित्तलदुर्ग (कर्नाटक)
⑦ सिद्धपुर — चित्तलदुर्ग (कर्नाटक)
⑧ Jatinga रामेश्वर — चित्तलदुर्ग (कर्नाटक)
⑨ Erragudi — Karnool A.P
⑩ Gorimath — मैसूर (कर्नाटक)
⑪ Rajul Madhagiri — Karnool A.P
⑫ Ahrora — मिर्जापुर (उ० प्र०)

Major Pillar Edicts / दीर्घ स्तम्भ लेख

① Meerut Pillar → उ० प्र० के मेरठ से प्राप्त हुआ और फिरोज शाह तुगलक के द्वारा दिल्ली स्थानान्तरित किया ।

② Topra Pillar → ये यमुना नगर हरियाणा से प्राप्त हुआ और इसे भी फिरोज शाह ने दिल्ली स्थानान्तरित किया ।

③ Prayag Pillar / प्रयाग स्तम्भ →

कौसाम्बी में प्राप्त प्राप्त हुआ इसे अकबर ने इलाहाबाद के किले में स्थानान्तरित करवाया था।

④ लौरिया नन्दनगढ़

→ बिहार के चम्पारण से प्राप्त हुआ था।

→ मयूर का चित्र मिला जो मौर्य वंश का प्रतीक है।

⑤ लौरिया अरेराज

→ बिहार के चम्पारण से प्राप्त

⑥ रामपूर्व

दो स्तम्भ मिले –

लेखयुक्त में सिंह की आकृति है जो वर्तमान में दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में स्थापित है।

लेखविहीन जिस पर वृषभ की आकृति बनी है

Minor Pillar Edicts

① रुमनदेई – नेपाल

इसे आर्थिक स्तम्भ Pillar भी कहा जाता है।

② निगाली सागर – नेपाल

③ साँची स्तम्भ – Raisen (मध्य प्रदेश)

④ सारनाथ स्तम्भ – वाराणसी (उ० प्र०)

⑤ कौशाम्बी स्तम्भ – उत्तर प्रदेश (रानी का अभिलेख)

अशोक की तीन गुफाएं -

Sunoma Cave
Karna Chaupad Cave
Vishwa Jhopdi Cave

] दक्षिणी बिहार के गया में स्थित है।

History

class-05

Post Mauryan Period / मौर्योत्तर काल –

Shunga Dynesty शुंग वंश — (185 B.C – 72 B.C) – I Brahmin Dynesty

founder – Pushyamitra Shunga (185 B.C – 149 B.C)

He Made Vidisha in Capital.

Source- अयोध्या अभिलेख

→ इसे भारत में बौद्ध धर्म का विनाशक माना जाता है क्योंकि इसने अशोक द्वारा निर्मित लगभग 84000 स्तूपों को नष्ट कराया था।

→ इसके द्वारा दो अश्वमेघ यज्ञ करवाए गये थे।

→ पतंजलि ने महाभाष्य ग्रन्थ भी लिखा।

→ भागवत धर्म का विकास, संस्कृत भाषा का सर्वाधिक विकास इसी के शासन काल में मिला।

Son– अग्निमित्र शुंग

Book– मालविकाअग्निमित्रम्

↓

वसुमित्र – इसने हिन्द यूनानियों को पराजित किया था।

Ruler– भागभद्र (भागवत)

Indo-greek Ruler – एन्टीयालकीड्स —राजदूत→ हेलियोडोरस

↓ भागवत धर्म अपनाया

↓ विदिशा

↓ गरुड़ स्तम्भ की स्थापना or ध्वज

Last Ruler- देवभूति

वसुदेव - Kanva Dynesty

कण्व वंश (72 B.C - 28 B.C)

founder - वासुदेव ⟶ भूमिपुत्र कण्व ⟶ नारायण कण्व

Last Ruler - सुशर्मन (सुशर्मा)

आन्ध्र सातवाहन वंश (28 B.C - 3rd Century)

इसे दक्षिण भारत का प्रथम साम्राज्य माना जाता है। इसकी राजधानी प्रतिष्ठान थी जो महाराष्ट्र में है।

founder — सिमुक

I Great Ruler — सातकर्णि प्रथम

Capital- अमरावती

चेदि Dynesty -

II Great Ruler — हाल —प्राकृत भाषा / Book→ गाथासप्तशती

Greatest Ruler — गौतमीपुत्र सातकर्णि (106- 130)

→ सीसे के सिक्के
→ ब्राह्मणों को भूमिदान नाम से पहले माता का नाम

Son- वशिष्ठिपुत्र पुलमावि (130 - 154) → I आन्ध्र सम्राट

Last Ruler— पुलमावि तृतीय

कलिंग का चेदि वंश –

Greatest Ruler – खारवेल → उदयगिरि पर्वत – हाथी गुफा अभिलेख

founder – महामेघवाहन

वाकाटक वंश / Vakataka Dynesty – (3rd – 6th Century)

Capital – पुरिका (बरार)

founder – Vindyashakti (255–275)

↓

प्रवरसेन प्रथम (275–335) → महाराज (Title)

↓

रुद्रसेन प्रथम (335–360)

↓

पृथ्वीसेन (360–385)

↓

रुद्रसेन द्वितीय (385–390)

Last Ruler – पृथ्वीसेन द्वितीय

History

Class-06

Foreign Invansions in Post Mauryan Period
मौर्योत्तर काल में विदेशी आक्रमण

Indo-greeks हिन्द यवन from Bactria, अफगानिस्तान

I Ruler – डेमेट्रियस प्रथम (220-175 B.C)

183 B.C – He invaded पंजाब & Made Sakel his Capital

greatest Ruler – मिनान्डर (मिलिन्द)

इसने भारत में बौद्ध धर्म अपनाया था। इसने नागसेन नामक बौद्ध भिक्षुक से शिक्षा प्राप्त की।

Source- Buddhist Text – मिलिन्दपन्हो

Sethians/शक – from Central Asia

05 Branches

(i) अफगानिस्तान

ii) North – तक्षशिला & मथुरा

iii) West – नासिक एवं उज्जैन

मथुरा → पहले मालवा में थे।

57 B.C → विक्रमादित्य विक्रम संवत्

प्रथम शक शासक – राजुल

नासिक के शक –

greatest Ruler – नहपान

Ujjain → greatest Ruler – रुद्रदामन → जूनागढ़ अभिलेख

Lost Ruler – रुद्रसेन तृतीय

Perthians /पहलव – from Persia ईरान

I Ruler – माउस (मोय)

· Actual founder – मिथ्रीडेट्स प्रथम

Greatest Ruler – गोंदोफर्नीस (20-41)

1st Century – St. Thomas arrived in India.

कुषाण – पश्चिमी चीन

I Ruler – कुजुल कडफिसस प्रथम (15-65) – Copper Coins

विम कडफिसस (65-78) → Gold & Copper Coins

- Shaivism शैव धर्म
- Shiva, Nandi & Trishul type Coins

Greatest Ruler – कनिष्क (78-105)

Capital – Peshawar & मथुरा

78 A.D → शक संवत्

He attacked chinese ruler → पान चाओ

→ कनिष्क ने ही कश्मीर में IV th बौद्ध संगीति का आयोजन करवाया था। जिसमें बौद्ध धर्म दो समुदायों में विभाजित किया - हीनयान, महायान।
इसका राजवैद्य चरक थे। दरबार में दो बौद्ध भिक्षुक रहते थे वसुमित्र और अश्वघोष।

History

Class-07

Gupta Period (319-550)
गुप्त काल

I Golden Era of Indian History.

Sources / स्त्रोत

① Archaeological Sources / पुरातात्विक स्त्रोत :-

(i) महरौली स्तम्भ लेख — चन्द्रगुप्त - II

(ii) पूना ताम्र लेख — Prabhavati

(iii) प्रयाग स्तम्भ लेख — समुद्रगुप्त

(iv) जूनागढ़ अभिलेख — स्कन्दगुप्त

(v) Bilsad Inscription — कुमार गुप्त

(vi) भीतरी गुफा अभिलेख — स्कन्दगुप्त

② Literary Sources :-

(i) कालीदास -

अभिज्ञान शाकुन्तलम्
मेघदूतम्
रघुवंशी
कुमार सम्भवम
विक्रमवंशी
ऋतु संघार
मालविका अग्निमित्रम्

(ii) विशाखदत्त –

मुद्राराक्षस

देवीचन्द्र गुप्तम्

(iii) Varahamihir :–

बृहत संहिता

पंच सिद्धांतिका

(iv) Dandin / दन्डिन :–

काव्य दर्शन

दश कुमार चरित

(v) Bhas / भास :–

चारुदत्ता

ऊरुभंग

(vi) असंग –

योगाचार्य

(vii) बाणभट्ट –

हर्ष चरित

कादम्बिरी

(viii) Harsh / हर्ष –

नागानन्द

रत्नावली

प्रियदर्शिका

(ix) अमरसिंह

अमरकोष

(x) वत्सभट्टि –

रावण वध

(xi) आर्यभट्ट –

आर्यभट्टियम

सूर्य सिद्धान्त

(xii) धनवन्ती –

अणु सिद्धान्त

(xiii) चन्द्र गोमिन –

चन्द्र व्याकरण

(xiv) विष्णु शर्मा –

पचतन्त्र

(xv) कामन्दक –

नीतिशास्त्र

(xvi) Vatsyayan –

कामसूत्र

Founder – श्रीगुप्त (240 - 280)

Title – महाराज

श्रीगुप्त

↓ Son

घटोत्कच (280 - 319) Title – महाराजा

Actual founder – चन्द्रगुप्त गुप्त I (319 - 335)

Title – महाराजाधिराज

→ Married with – कुमारदेवी

319 → Gupta Era / गुप्त संवत्

→ Gold Coin / स्वर्ण सिक्के

→ इसका उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त हुआ।

समुद्रगुप्त को ही भारत का नेपोलियन कहा गया है।

↓

(V. A. Smith)

History

class- 09

Gupta Empire / गुप्त साम्राज्य

* समुद्रगुप्त (335-375) :-

Titles- पराक्रमांक, अप्रतिरथ, व्याघ्रपराक्रमांक, कविराज ।

V.A. Smith - भारत का नेपोलियन

समुद्रगुप्त / नेपोलियन ने दक्षिण-भारत के 12 और उत्तर-भारत के 9 शासक लोगों को पराजित किया।

उत्तरापथ North → 09 Rulers

दक्षिणापथ South → 12 Rulers

03 नीतियाँ:-

(i) ग्रहण- शत्रु पर अधिकार।

(ii) मोक्ष - शत्रु को मुक्त करना।

(iii) अनुग्रह - शत्रु का राज्य लौटाकर उस पर दया करना।

→ इसके द्वारा एक अश्वमेध यज्ञ करवाया गया।

Court Poet — हरिषेण
↓
प्रयाग प्रशस्ति

→ समुद्रगुप्त खुद एक कवि था। यह एक कुशल वीणावादक भी था और इसी के सिक्कों पर इसे वीणावादन करते हुए चित्रित किया गया है।

→ इसने बौद्ध संरक्षण भी दिया है। एक प्रसिद्ध बौद्ध भिक्षु वसुबन्धु को भी अपने महल में संरक्षण दिया है।

Ramgupta (378 - 380) → Eran Inscription / एरण अभिलेख
भानुगुप्त (सती प्रथा का उल्लेख)
↓
यह एक कमजोर शासक था।

↳ देवी-चन्द्रगुप्तम्

- The Greatest Ruler Dynesty — चन्द्रगुप्त II (380–413)

other Names → Devgupta, Devraj, Devshri

Titles — विक्रमादित्य, विक्रमांक, परमभागवत

399 → chinese Traveller / चीनी यात्री — फाह्यान (399-412)

→ यह अपने दरबार में नवरत्न रखने वाला पहला शासक था।

(1) क्षपणक — यह एक प्रसिद्ध ज्योतिष था।
(2) धनवन्तरी — चिकित्सक।
(3) कालीदास — प्रसिद्ध कवि और नाटककार।
(4) अमरसिंह — संस्कृत शब्दकोष रचनाकार।
(5) वाराहमिहिर — खगोलशास्त्र।
(6) वररूचि — संस्कृत व्याकरण।
(7) शंकु — वास्तुकार / शिल्पकार।
(8) हरिषेण — कवि।
(9) बेताल भट्ट — जादूगर।

→ यह प्रथम शासक था जिसने विक्रमादित्य की उपाधि धारण किया था।

कुमार गुप्त (413-454) :-

Title- महेन्द्रादित्य

→ गुप्तकाल में सबसे ज्यादा अभिलेख कुमारगुप्त के ही प्राप्त हुए है।

Nalanda University → प्राचीनतम विद्यालय
↓
famous - बौद्ध शिक्षा के लिये
(महायान बौद्ध का oxford भी कहा जाता था)

Last Great Ruler of Dynesty — स्कन्दगुप्त

स्कन्दगुप्त (454-467) :-

Title - क्रमादित्य

→ इसने गिरनार पर्वत पर सुदर्शन झील की दूसरी बार मरम्मत करवायी।

→ हूणों का प्रथम आक्रमण जिन्हें म्लेच्छ भी कहा जाता था।

→ हूणों का शासक तोरमाण था।

Last Ruler - विष्णुगुप्त

History

Class-09

Post Gupta Period / गुप्तोत्तर काल

थाणेश्वर का पुष्यभूति वंश – (वर्धन वंश)

Source- हर्षचरित
↓
वैश्य या क्षत्रिय शासक

→ इस वंश के शासक शैव धर्म के अनुयायी थे।

founder - प्रभाकरवर्धन in late 6th Century

Capital- थाणेश्वर

Title— महाराजाधिराज

02 Sons – राज्यवर्धन, हर्षवर्धन

Daughter ↓ राज्यश्री — कन्नौज ↓Ruler गृहवर्मन (मौखरि वंश)

605 → Rajyavardhan became the Ruler of this Dynasty.

मालवा → देवगुप्त

Bengal → शशांक

606 → राज्यवर्धन was killed by शशांक।

हर्षवर्धन (606- 647) पुष्यभूति वंश का अगला शासक।

- **हर्षवर्धन (606 - 647) :—**

606 – हर्ष संवत Title – शिलादित्य

II Capital – कन्नौज

629 A.D → chinese traveller — Huane Suang (हुवेन सांग) → Book → Si Yu Ki (The Life) (सी यू की)

साहित्यकार शासक – हर्ष

Books — Naganand, रत्नावली, प्रियदर्शिका।

Court Poet – बाणभट्ट → Books → हर्षचरित & कादम्बरी

Last Hindu Samrat of India.

- **कन्नौज का मौखरि वंश :—**

Source – हर्षचरित

03 Branches – कन्नौज, राजस्थान & बिहार।

Initial 03 Ruler :— यज्ञवर्मा, शार्दुलवर्मा और अनन्तवर्मा।

→ I Ruler – ईशानवर्मन (550-576)

Title – महाराजाधिराज

→ Sarvavarman सर्ववर्मन (576–580)

↓ Title- महाराजाधिराज

अवन्तिवर्मन (580 - 600)

↓ Son

ग्रहवर्मन (600 - 605) → Married with Rajyashri.